# RAF SECTOR

## NEWS CLIP

22/10/18

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

**Dainik Jagran (Jamshedpur,JKD.)**

# डीआइजी ने किया शहीदों के परिजनों को सम्मानित

रैफ परेड भवन में आयोजित समारोह में शहीद के परिजन व पुलिस पदाधिकारी ● जागरण

**संवाद सूत्र, पोटका** : सुंदरनगर स्थित रैफ परेड भवन में रविवार को पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। इस मौके पर देश की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त करने वाले रैफ 106 बटालियन के तीन जवान मोतीलाल मूर्ति, चाईबासा, संजय कुमार भद्रा, मुसाबनी, व दामू टुडू घाटशिला के परिजनों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर सुंदरनगर रैफ 106 बटालियन के परेड मैदान में समारोह का आयोजन हुआ। डीआइजी संदीप गोकेल ने साल ओढ़ाकर शहीद जवान के परिजनों को सम्मानित किया। जवान मोतीलाल पूर्ति की पत्नी अनिता माई (चाईबासा), संजय कुमार भ्रदा की पत्नी अनूपा भ्रदा (मूसावनी रोड नम्वर 01) दामू टूडू (घाटशिला) की पत्नी राणा टूडू को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कमांडेंट पीके सिंह, डिप्टी कमांडेंट डी जैकब, संतोष मूंडा, सहायक कमांडेंट राजकुमार, देवेन्द्र वर्मा, ए भट्टाचार्या, विनोद कुमार समेत अन्य जवान उपस्थित थे।

Prabhat Khabar (Jamshedpur,JKD.)

## नरवा. रैफ 106 बटालियन के परेड ग्राउंड में शहीद सम्मान समारोह आयोजित

# शहीद जवानों को दी गयी श्रद्धांजलि

प्रतिनिधि ▷ नरवा

सीआरपीएफ एवं रैफ 106 बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में रैफ 106 बटालियन के परेड ग्राउंड में कमांडेंट पीके सिंह की अगुवाई में शहीद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर देश की सेवा में अपना कर्तव्य निभाते हुए सीआरपीएफ के शहीद जवानों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गयी. पंजाब के फिरोजपुर में 04 अक्तूबर 1989 में ब्लू ऑपरेशन के दौरान शहीद मोतीलाल पूर्ति, बिहार के गया में 19 अप्रैल 2011 में सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए संजय कुमार भद्र तथा असम के मणीपुर में उग्रवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में शहीद हुए लांस नायक दामु टुडू को सीआरपीएफ के नियमानुसार सलामी देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. उक्त तीनों शहीद क्रमशः उलीहातु चाईबासा, मुसाबनी तथा केंदपोसी घाटशिला के निवासी थे. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि आरपीएफ ग्रुप सेंटर डीआइजी संदीप गोकले द्वारा क्रमशः तीनों शहीदों की पत्नियों एलिस माई, अनुपा भद्र तथा राना टुडू को शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया.

सम्मानित हुए शहीद की पत्नियों के साथ डीआइजी श्री गोकले व अन्य.

शहीद हुए जवानों की तस्वीर.

**पेंशन मिल रहा है, लेकिन गांव में चापाकल और लाइब्रेरी नहीं बनी : एलिस माई**

शहीद मोतीलाल पूर्ति की पत्नी एलिस माई ने कहा कि उन्हें समय पर पेंशन मिल रहा है, लेकिन सरकार से गांव उलीहातु चाईबासा में एक चापाकल एवं एक लाइब्रेरी बनवाने की मांग की गयी थी, जो अब तक नहीं बनाया गया.

**प्लॉट आवंटन नहीं किया गया : अनुपा**

शहीद संजय कुमार भद्र की पत्नी अनुपा भद्र ने कहा कि उनकी नौकरी सीआरपीएफ में हो गयी है, आवेदन लेट में देने के कारण उन्हें अब तक स्टेट एक्सग्रेसिया की रकम नहीं मिली है, वहीं जमीन भी आवंटन अब तक नहीं किया गया है.

**अनुकंपा पर बेटे की नौकरी का है इंतजार : राना टुडू**

शहीद लांस नायक दामु टुडू की पत्नी राना टुडू ने कहा कि उनके पति के शहीद होने के समय उनके बेटे की उम्र कम थी. इधर 18 वर्ष होने के उपरांत डीआइजी रांची को आवेदन दिया गया है. अब उनके बेटे की नौकरी का इंतजार है.

## पुलिस स्मरण दिवस पर 41 जवानों ने किया रक्तदान

**नरवा.** सुंदरनगर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 106 बीएन (सीआरपीएफ) कार्यालय में कार्यालय के पुलिस उप महानिरीक्षक संदीप गोकिल एवं उप महानिरीक्षक ग्रुप केंद्र जमशेदपुर के हरजिंदर सिंह के निर्देशन में समारोह पूर्वक पुलिस स्मरण दिवस मनाया गया. स्मरण दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में डिप्टी कमांडेंट जैकब सहित 41 जवानों ने रक्तदान किया. समारोह में सीआरपीएफ रेंज कार्यालय के डीआइजी संदीप गोकिल ने कहा कि आज ही के दिन 21 अक्तूबर 1959 को लद्दाख (जम्मू-कश्मीर) के हॉट स्प्रिंग नामक स्थान पर चीन की सेना ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस की एक छोटी सी टुकड़ी पर हमला किया था. बल के जवानों ने साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए चीनी सेना के हमले को मुहतोड़ जवाब दिया एवं चीनी सेना को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था. उक्त लड़ाई में 10 जवान शहीद हुए थे. इसलिए इस दिन को केवल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ही नहीं बल्कि देश के सभी पुलिस संस्थानों द्वारा सीआरपीएफ के बलिदान तथा वीरता की याद में पुलिस स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है. मौके पर रैफ 106 बीएन कमांडेंट पीके सिंह, विनोद कुमार, रेड क्रॉस के सचिव विजय कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे.

**रेयर ब्लड ग्रुप के लोगों व जवानों को चिह्नित करें : डीआइजी**

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर सुंदरनगर कार्यालय के डीआइजी श्री गोकिल ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि कुछ ऐसे रेयर ब्लड ग्रुप है, जो बहुत ही कम लोगों में पाया जाता है. वैसे ब्लड ग्रुप के व्यक्तियों या जवानों की सूची बना कर वाट्सअप से जोड़ा जाये, जिससे वैसे ब्लड ग्रुप के जरूरतमंद लोगों को आसानी से ब्लड उपलब्ध कराया जा सके. क्योंकि रक्त किसी कंपनी में नहीं बनता. यह किसी व्यक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है.

Dainik Jagran (Prayagraj,UP.)

# स्मृति दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

आइजी मोहित अग्रवाल ने पुलिसकर्मियों के परिजनों को किया सम्मानित.

» घूमनगंज स्थित चतुर्थ वाहिनी पीएसी व फाफामऊ आरएएफ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए अधिकारी

prayagraj@inext.co.in

**PRAYAGRAJ (21 Oct):** घूमनगंज स्थित चतुर्थ वाहिनी पीएसी परिसर में स्मृति दिवस के मौके पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इसमें मौजूद पुलिस के उच्चाधिकारियों द्वारा शहीद हुए पुलिस जवानों के परिवार वालों से मिले. इस दौरान एडीजी एसएन साबत ने शहीद हुए पुलिस जवानों के परिवार वालों से मुलाकात कर शहीदों का नमन किया. कार्यक्रम के दौरान एडीजी ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की. साथ ही परिवार के लोगों को पुरस्कृत करते हुए उन्हें शॉल भेंट की. इस अवसर पर आईजी मोहित अग्रवाल, एसएसपी कुंभ कवीन्द्र प्रताप सिंह, एसएसपी नितिन तिवारी, एएसपी सुकीर्ति माधव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे. इसी प्रकार फाफामऊ स्थित 101 आरएएफ परिसर में स्मृति दिवस पर शहीदों का नमन किया गया. इस मौके पर वाहिनी के कमांडेंट आरके निगम ने शहीदों के याद करते हुए शहीद स्थल पर पुष्प माला चढ़ाई. इस दौरान शहीदों के याद करते हुए उन्हें सलामी दी गई. कमांडेंट ने शहीद आरएन पाण्डेय की पत्नी को रश्मि को शॉल अर्पित कर उन्हें सम्मानित किया. इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा उमा शंकर वर्मा, उप कमांडेंट राजेन्द्र चोपड़ा समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद थे.

Dainik Jagran (Amritsar,Punjab)

# पथराव, लाठीचार्ज के बाद ट्रैक खाली, रेल सेवा बहाल

**अमृतसर हादसा**

- एक सुरक्षाकर्मी व पत्रकार जख्मी, भाग रहे छह प्रदर्शनकारियों को भी आई मामूली चोटें
- 48 घंटे बाद बहाल हुआ रेल ट्रैक, एहतियात के तौर पर सुरक्षा कर्मी तैनात, फाटकों पर भी सुरक्षा बढ़ाई
- सारा दिन रेल ट्रैक पर मची अफरा-तफरी, सुरक्षाकर्मियों ने कई बार भीड़ को खदेड़ा

जागरण संवाददाता, अमृतसर : अमृतसर ट्रेन हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। उन्होंने अपने सगे संबंधियों के साथ जोड़ा फाटक रेल ट्रैक पर धरना दिया और सरकार की ओर से की गई कार्रवाई पर असंतुष्टि जताई। पहले तो धरना शांतिमय ढंग से चलता रहा, लेकिन दोपहर बाद पुलिस ने ट्रैक खाली करवाने की कोशिश की। इससे लोग भड़क गए। वहीं, कुछ शरारती तत्वों ने भी भीड़ को उकसाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते घटनास्थल पर हिंसा शुरू हो गई। कुछ लोगों ने रेल ट्रैक पर पड़े पत्थर उठाकर सुरक्षाकर्मियों पर बरसाने शुरू कर दिए। आत्मरक्षा के लिए पुलिसकर्मी आगे बढ़े और पत्थर बरसाने वालों पर हल्का लाठीचार्ज भी किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने ट्रैक खाली करवा लिया, जिस पर 48 घंटे बाद यातायात बहाल हो गया। पुलिस ने ट्रैक तक पहुंचने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी कर सुरक्षा बढ़ा दी है।

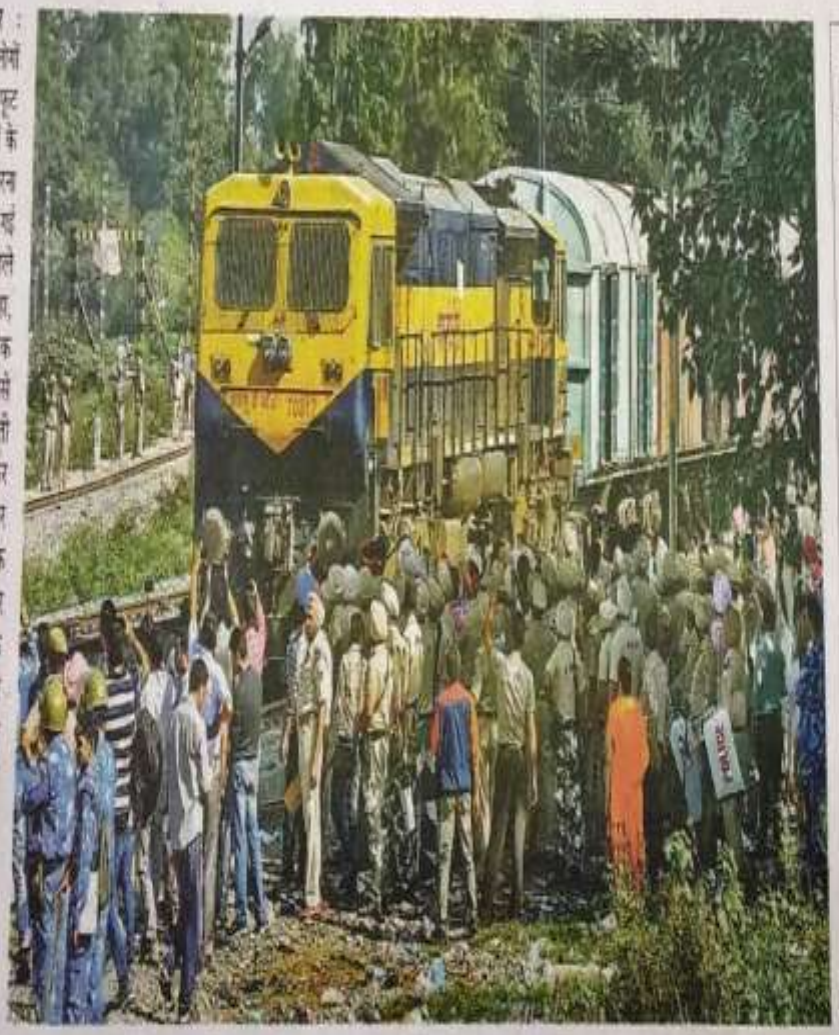

जब पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई की तो रेल पटरियों से उठकर लोग भागना शुरू हो गए। पुलिस उस ही तो भीड़ को खदेड़ते हुए गलियों तक ले गई। वहां प्रदर्शनकारी पुलिस की लाठियों से बचने के लिए घरों में घुस गए। पत्थरबाजी में एक पुलिसकर्मी सिमरनजीत सिंह व पत्रकार कलजिंदर जख्मी हो गए। सुरक्षाकर्मी सिमरनजीत सिंह के सिर पर रेल ट्रैक का पत्थर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सुरक्षाकर्मी के सिर पर टांके लगे हैं। खून लगातार बह रहा था। प्रदर्शनकारियों में भी छह लोगों को भागते हुए गिरने से मामूली चोटें आई हैं। भारी पुलिस फोर्स तैनात होने के बावजूद सारा दिन जोड़ा फाटक और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। अपने घरों तक पहुंचने के लिए आम जनता को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

**50 लोगों पर हत्या प्रयास का मामला दर्ज :** जोड़ा फाटक पर हुई हिंसा के बाद पुलिस ने पचास से ज्यादा अज्ञात आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास, जालसाजी और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने मौके पर मौजूद पत्रकारों के कैमरों से पत्थर चलाने वाले लोगों की फुटेज निकलवाई है। इलाके के लोगों से पथराव करने वालों की पहचान करवाई जा रही है।



जोड़ा फाटक पर पथराव व लाठीचार्ज के बाद पुलिस ने रेलवे ट्रैक खाली करवा लिया। ट्रैक खाली होने के बाद उससे गुजरती मालगाड़ी व सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी • प्रे

### देरी से रवाना हुईं गाड़ियां

हादसे के 48 घंटे बाद करीब साढ़े छह बजे अमृतसर-दिल्ली व अमृतसर-पठानकोट रेल ट्रैक पर रेलगाड़ियों का आवागमन शुरू हो गया। हालांकि, गाड़ियां कुछ देरी से रवाना हुईं। घटना वाली जगह पर पंजाब पुलिस व अन्य सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं, जोड़ा फाटक व शिवाला बाग भाइयां फाटक, रत्नबाग व बल्ला रेलवे फाटकों पर भी जवानों को तैनात किया गया है। साढ़े छह बजे के बाद अमृतसर रेलवे स्टेशन से हिसार पैसेंजर, हावड़ा मेल, गोल्डन टेंपल, पठानकोट पैसेंजर, हरिद्वार एक्सप्रेस, हीराकुंड रेलगाड़ियों को मुख्य रेल मार्ग से रवाना किया गया है। इसके अलावा दो मालगाड़ियों को अमृतसर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया। जोड़ा फाटक वाले ट्रैक पर देर शाम तक यातायात प्रभावित हुआ था। अमृतसर रेलवे स्टेशन से आने-जाने वाली 32 पैसेंजर रेलगाड़ियों और 17 अन्य गाड़ियों को वाया तरनतारन चलाया गया। बाद में यातायात सुचारु हो गया।

### किसी ने किसी का तो कसूर है, हादसे की जिम्मेदारी तय हो, सजा मिले : डीजीपी

जालंधर : एक तरफ जहां तमाम लोग जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं वहीं, पंजाब के डीजीपी सुरेश अरोड़ा ने कहा है कि दुखद हादसे में 61 लोग मारे गए, आखिर किसी न किसी का तो कसूर है। अगर किसी का कसूर न होता तो इतना बड़ा हादसा कभी न होता। इस हादसे में जिम्मेदारी तय होनी ही चाहिए। डीजीपी जालंधर में पत्रकारों [illegible] के जवाब दे रहे थे। अरोड़ा ने [illegible] कि [illegible] में जीआरपी ने मामला दर्ज [illegible] है। जांच शुरू कर दी गई है। [illegible] के दोषियों को हर हाल में सजा [illegible] चाहिए।

### जालंधर के डिविजनल कमिश्नर करेंगे जांच

डीजीपी ने कहा [illegible] जांच के लिए जालंधर डिविजनल कमिश्नर की [illegible] गया है। [illegible] इस हादसे [illegible] इस मामले पर पंजाब सरकार व खुद मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह गंभीर हैं।

### जोड़ा फाटक के गेटमैन को हटाया

हादसे के बाद गेटमैन अमित के खिलाफ लोगों में काफी आक्रोश है। स्टेशन डायरेक्टर अमृत सिंह ने बताया कि गेटमैन की [illegible] को देखते हुए हटा दिया गया [illegible] जगह नए [illegible] को गेटमैन तैनात किया गया है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

## Hindustan (Jamshedpur,JKD.)

गोलमुरी पुलिस लाइन में संस्मरण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा, शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया, पुलिस कप्तान ने जवानों में भरा जोश

# ड्यूटी पर मरना पुलिस के लिए सौभाग्य : एसएसपी

### शहीदों को नमन

## पुलिस दिवस पर सीआरपीएफ ने शहीदों को याद किया

## Amar Ujala (Prayagraj,UP)

# शहीद पुलिसकर्मियों को नमन, परिजनों का हुआ सम्मान



शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते एडीजी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

**चतुर्थ वाहिनी पीएसी कैंप परिसर में हुआ आयोजन, पुलिस लाइन में बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता**

प्रयागराज। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर रविवार को उन शहीदों को नमन किया गया, जिन्होंने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राण तक न्यौछावर कर दिए। चतुर्थ वाहिनी पीएसी कैंप परिसर में हुए कार्यक्रम में शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

धूमनगंज स्थित चतुर्थ वाहिनी पीएसी कैंप परिसर में कार्यक्रम की शुरुआत सुबह आठ बजे हुई। मुख्य अतिथि एडीजी जोन एसएन साबत ने कहा कि देश और नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों का कर्ज देश कभी नहीं चुका सकता। ऐसे शहीदों को हर दिन नमन किया जाना चाहिए। आईजी मोहित अग्रवाल ने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वालों की कर्तव्यपरायणता अन्य जवानों के लिए मिसाल है। कार्यक्रम में सबसे पहले शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद शहीदों के परिजनों को स्मृति चिह्न व शॉल देकर सम्मानित किया। इस दौरान एसएसपी नितिन तिवारी समेत पुलिस विभाग के अन्य अफसर मौजूद रहे।

उधर पुलिस लाइन में स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों के लिए निबंध व कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पुलिसकर्मियों के बच्चों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को एसएसपी ने उपहार देकर सम्मानित किया। उधर शांतिपुरम फाफामऊ में 101 आरएएफ बटालियन में भी शहीदों को नमन किया गया। कमांडेंट आरके निगम ने शहीद स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही पुलिस वीरता पदक से सम्मानित अमर शहीद आरएन पांडेय के परिजनों को शॉल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

# Amar Ujala (Aligarh, UP)

# शहीद पुलिस कर्मियों के परिजनों का दुख-दर्द किया साझा

## पुलिस स्मृति दिवस : आरएएफ व पीएसी वाहिनी में हुआ कार्यक्रम, शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित







पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों की पत्नियों को सम्मानित करते आरएएफ कमांडेंट हेलाल फिरोज। दूसरे चित्र में पीएस में पुलिस स्मृति दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते पीएसी कमांडेंट। पुलिस लाइन में शहीदों की विधवा को सम्मानित करते एसएसपी अजय साहनी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

अलीगढ़। पुलिस स्मृति दिवस पर रविवार को जिले के शहीद पुलिसकर्मियों को याद किया गया। इस मौके पर उनके परिवारों को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित भी किया गया।

पुलिस लाइन में एसएसपी अजय कुमार साहनी, एसपी सिटी अतुल कुमार श्रीवास्तव, एसपी क्राइम आशुतोष द्विवेदी, एसपीआरए मणिलाल पाटीदार आदि ने अतरौली हादसे में मारे गए सब इंस्पेक्टर प्रदीप शर्मा, संभल में मारे गए दादों के समैना ततारपुर निवासी सिपाही रवेंद्र सिंह, आगरा में मारे गए सुभाष यादव निवासी नगला हाल्चंद्र बरासी व जीआरपी बरेली में तैनाती के दौरान मारे गए जमील अहमद निवासी नगला पटवारी के परिजनों से संवाद किया। उनके दुख-दर्द को समझा। उनके परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

### आरएएफ परिसर मनाया स्मृति दिवस

104 बटालियन आरएएफ के प्रांगण में पुलिस स्मृति/शहीद दिवस मनाया गया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस के जवानों ने पूरी बहादुरी के साथ डटकर मुकाबला किया। गार्ड ने शहीदों को सलामी दी गई। कमांडेंट हेलाल फिरोज ने एक वर्ष में शहीद हुए उन वीर जवानों का नाम पढ़कर सुनाया गया। इस मौके पर द्वितीय कमान अधिकारी भवेश चौधरी, उप कमां एसपी सिंह, हिमकांत दीक्षित, उप कमा. जितेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह, जितेंद्र राजपूत, दीपक मिश्रा, मंजेश सिंह, व्यवहार सिंह, एनएस बिष्ट, डॉ. अंकुर सिंह आजाद आदि मौजूद रहे।

### 38वीं वाहिनी पीएसी में पुलिस स्मृति दिवस मनाया

38वीं वाहिनी पीएसी में पुलिस स्मृति दिवस पर मनाया गया। सेनानायक [illegible] अहमद अंसारी ने कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस कर्मियों को वाहिनी परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। [illegible] ने सेनानायक को पुलिस स्मृति पत्रिका सौंपी गई। इस मौके पर [illegible] सिंह, मुधीर कुमार आदि मौजूद रहे।

### स्थापना दिवस कल

अलीगढ़। श्री अक्रूर [illegible] का 21 वां स्थापना दिवस 23 अक्टूबर को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। [illegible]

# आरएएफ में भी शहीदों का स्मरण

जासं, अलीगढ़ : हॉट स्प्रिंग (लद्दाख) में चीनी सेना के हमले में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को आरएएफ जवानों ने रविवार को शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि दी। कमांडेंट हेलाल फिरोज ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को हुए इस हमले में बहादुरी से मुकाबला कर 10 जवानों ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे, मगर पोस्ट पर दुश्मनों का कब्जा नहीं होने दिया। इसी शहादत से प्रेरणा लेने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्तर पर इन वीर जवानों को याद किया जाता है। शहीद दिवस पर सुबह 9.15 बजे शहीदों को सलामी दी गई। शहीदों के परिजनों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भवेश चौधरी, एसपी सिंह, हिमकांत दीक्षित, जितेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह, जितेंद्र राजपूत, दीपक मिश्रा, मंजेश सिंह, व्यवहार सिंह आदि मौजूद रहे।



शहीदों के परिजनों को उपहार देते आरएएफ कमांडेंट हेलाल फिरोज • जागरण

**अलीगढ़ के जवानों ने दी शहादत:** कमांडेंट ने बताया कि 62 वाहिनी की एक टुकड़ी ने दंतेवाड़ा के चिंतागुफा थाना क्षेत्र में माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया। छह अप्रैल को टुकड़ी गांव टेड़मेंडला की ओर बढ़ी, तभी रास्ते में माओवादियों ने आइईडी ब्लास्ट के साथ फायरिंग शुरू कर दी। 500 की तादात में माओवादियों ने टुकड़ी को घेर लिया। भारी गोलाबारी हुई। जान की परवाह किए बगैर जवान दुश्मनों से जूझते रहे। 75 जवान शहीद हुए थे, इनमें गांव सुनामई जवां के उपनिरीक्षक बीके शर्मा और गांव पैराई गभाना के भूपेंद्र कुमार भी थे। इसके अलावा 154 वाहिनी की टुकड़ी में शामिल हवलदार ओम प्रकाश निवासी गांव ओगर गभाना 10 नवंबर को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के पट्टन मार्केट में आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हो गए।

# Photos of Deployment/ Fam-ex of RAF

**सी०आर०पी०एफ० सदा अजेय, भारत माता की जय।**